संपादकीय

निष्पक्षता पर गहराते प्रश्न

हालात ऐसे बन गए हैं कि कोई निर्णय गुण-दोष के आधार पर भी लिया गया हो, तब भी उस पर सवाल उठ खड़े होते हैं। जबकि लोकतंत्र का टिकना न्याय में भरोसे के आम सिद्धांत पर आधारित है। यह भरोसा कमजोर पड़ता दिख रहा है।

संभव है कि शिवसेना के नेता संजय राउत ने अपनी पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न छीने जाने के असंतोष में यह गंभीर आरोप लगाया हो कि नाम और चुनाव निशान को 2000 करोड़ रुपये में खरीदा गया है। यह कथित लेन-देन किसके बीच हुई, यह राउत ने नहीं बताया। उन्होंने इस पर कयास या अटकल लगाने का मैदान खुला छोड़ दिया। यह भी संभव है कि पार्टी से इस कथित अन्याय से उपजी मायूसी में उद्धव ठाकरे ने यह कहा हो कि देश में लोकतंत्र का खात्मा हो चुका है और प्रधानमंत्री को चाहिए कि वे खुलेआम तानाशाही कायम होने के एलान कर दें। लेकिन अगर ये दोनों बातें कही गईं, लोगों ने उस पर ध्यान दिया और यह इल्जाम अखबारों की प्रमुख सुर्खियों में शामिल हुए, तो जाहिर है, यह देश में गहराते संदेह के माहौल का संकेत है। चिंताजनक यह है कि संदेह के इस घेरे में संवैधानिक संस्थाएं हैं। संदेश यह है कि भारतीय राजनीति के विपक्षी हिस्से में इन संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर भरोसा लगातार चूक रहा है। हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि अगर कोई निर्णय गुण-दोष के आधार पर भी लिया गया हो, तब भी उस पर सवाल उठ खड़े होते हैं। जबकि लोकतंत्र का टिकना न्याय में सबके भरोसे के आम सिद्धांत पर आधारित है।

इस सिद्धांत का यह अनिवार्य पक्ष है कि न्याय न सिर्फ होना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए। शिव सेना का प्रकरण इस बात की सिर्फ ताजा मिसाल है कि विपक्षी खेमे में संवैधानिक संस्थाओं से न्याय और निष्पक्षता की उम्मीद कमजोर पड़ रही है। कहा जा सकता है कि यह स्थिति बनने के पीछे कुछ ठोस कारण रहे हैं। स्वस्थ सूरत यह होती कि सरकार और सत्ता पक्ष इन कारणों को दूर करने का भरोसा जगाते। लेकिन वर्तमान सत्ताधारी नेता किसी प्रकार के समानता पर आधारित संवाद में यकीन नहीं करते। इसके विपरीत वे हर प्रकार के विपक्ष को अनुचित और अवैध बताने की मुहिम जुटे रहते हैं। इससे अविश्वास गहराया है। उसकी का इजहार शिवसेना नेताओं की प्रतिक्रिया में हुआ है। ऐसी लगातार उठती प्रतिक्रियाएं लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत हैं।

मोदी ने जी20 बैठक में कई देशों पर बढ़ते कर्ज के खतरे के प्रति किया आगाह

❐ वैश्विक कर्ज के समाधान की जरूरत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दुनिया के कई देशों पर असहनीय कर्ज के खतरे के प्रति आगाह किया जी20 राष्ट्रों के साथ ही बहुपक्षीय संस्थानों से इस समस्या का समाधान तलाशने का आह्वान किया।

जी20 राष्ट्रों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक को वर्चुअल संबोधन में मोदी ने कहा, 'कर्ज का भारी बोझ कई देशों की वित्तीय स्थिति के लिए खतरा बन गया है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में भरोसा घटा है और ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि उन्होंने खुद में सुधार लाने की रफ्तार काफी धीमी रखी है। अब वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता, विश्वास और विकास बहाल करने की जिम्मेदारी दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं और मौद्रिक प्रणालियों के संरक्षकों पर है।'

मोदी ने कहा, 'दुनिया की आबादी 8 अरब के पार पहुंच गई है मगर सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में प्रगति धीमी प्रतीत होती है। हमें जलवायु परिवर्तन और कर्ज के ऊंचे बोझ जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुपक्षीय विकास बैंकों को मजबूत करना होगा, जिसके लिए सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है।'

एफएमसीबीजी बैठक की सह-अध्यक्ष वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी बैठक को संबोधित किया। दोनों ने वैश्विक कर्ज के बढ़ते बोझ का मसला उठाया और सीतारमण ने समस्या से निपटने के लिए बहुपक्षीय तालमेल पर जी20 देशों से विचार आमंत्रित किए।

एफएमसीबीजी को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अब भी महामारी के बाद के प्रभाव और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, जो कई देशों की वित्तीय स्थिति के लिए खतरा बना हुआ है।

मोदी ने उम्मीद जताई कि जी20 के प्रतिभागी भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता से प्रेरणा लेंगे। उन्होंने कहा, 'भारतीय उपभोक्ता और उत्पादक भविष्य के प्रति आशावादी और आश्वस्त हैं। हम आशा करते हैं कि आप उसी सकारात्मक भावना का प्रसार वैश्विक अर्थव्यवस्था में करने में सक्षम होंगे।'

मोदी ने कहा, 'मैं आग्रह करूंगा कि आपकी चर्चा दुनिया के सबसे कमजोर नागरिकों पर केंद्रित होनी चाहिए क्योंकि समावेशी एजेंडा बनाकर ही वैश्विक आर्थिक नेतृत्व दुनिया का भरोसा वापस हासिल कर पाएगा।'

मोदी ने जी20 सदस्यों से डिजिटल फाइनैंस में अस्थिरता और दुरुपयोग के संभावित जोखिम काबू में करने के लिए मानक विकसित करने और प्रौद्योगिकी की क्षमता का पता लगाकर उसका उपयोग करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल भुगतान की अपनी व्यवस्था में अत्यधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और कुशल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा विकसित किया है।

जनवरी में क्रेडिट कार्ड से खर्च 1.27 लाख करोड़ रुपए

❐ लगातार 11वें माह खर्च 1 लाख करोड़ रुपए के पार

नईदिल्ली। क्रेडिट कार्ड से खर्च करने की रफ्तार जनवरी में भी बनी रही। लगातार 11वें महीने क्रेडिट कार्ड से व्यय 1 लाख करोड़ रुपये के पार चला गया है। ई-कॉमर्स में लेन-देन और यात्रा सहित विवेकाधीन व्यय बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी में क्रेडिट कार्ड से व्यय 1.27 लाख करोड़ रुपये रहा है। यह दिसंबर के बहुत ज्यादा आधार के बावजूद अधिक है। दिसंबर में व्यय 1.26 लाख करोड़ रुपये था। वहीं पिछले साल जनवरी की तुलना में व्यय 45 प्रतिशत बढ़ा है।

क्रेडिट कार्ड से जनवरी में किए गए खर्च में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी ऑनलाइन व्यय पर 60 प्रतिशत है, जबकि शेष व्यय प्वाइंट आफ सेल (पीओएस) लेन-देन से हुआ है।

क्रेडिट कार्ड जारी करे वाले प्रमुख बैंकों आईसीआईसीआई बैंक, ऐक्सिस बैंक और एसबीआई कार्ड के व्यय में दिसंबर की तुलना में जनवरी में एक अंक की मामूली वृद्धि हुई है, जबकि सबसे ज्यादा क्रेडिट कार्ड जारी करने वाले बैंक एचडीएफसी बैंक के कार्ड से व्यय में इस अवधि के दौरान खर्च में 1.29 प्रतिशत गिरावट आई है।

यात्रा और आतिथ्य पर व्यय बढ़ा है, जो कोविड के दौरान सुस्त था। इसकी वजह से क्रेडिट कार्ड से व्यय में बढ़ोतरी हुई है। दरअसल अक्टूबर 2022 में त्योहारों के व्यय के कारण क्रेडिट कार्ड से व्यय 1.29 लाख करोड़ रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था।

उधर जनवरी महीने में नए कार्डों की संख्या बढ़ी है, जो दिसंबर में सुस्त थी। बैंकिंग व्यवस्था में 12.6 लाख नए कार्ड जुड़े हैं, जिससे बाजार में कार्डों की संख्या 824.5 लाख हो गई है। दिसंबर में कार्डों की संख्या में शुद्ध बढ़ोतरी 5,80,555 रही है।

हॉकी इंडिया की योजना अंडर-17, अंडर-19 स्तर रीजनल टूर्नामेंट शुरू कराने की

नईदिल्ली। अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि जमीनी स्तर पर खेल के विकास की मुहिम में हॉकी इंडिया देश भर में सब-जूनियर (अंडर-17) और जूनियर (अंडर-19) वर्गों में क्षेत्रीय स्तर के टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बना रहा है। देश के लिये 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके टिर्की ने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की महत्ता दोहराते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर एक क्षेत्रीय प्रणाली के शुरू किये जाने की जरूरत है ताकि उभरते हुए खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने को मिलें। पूर्व भारतीय कप्तान टिर्की ने कहा, किसी भी खेल के विकास के लिये उन्हें जमीनीं स्तर पर विकसित करना अहम है। मजबूत नींव से अच्छे खिलाड़ी निकलते हैं और मजबूत सीनियर और जूनियर राष्ट्रीय टीमें बनती हैं। उन्होंने कहा, बीते समय में सब जूनियर (अंडर-17) और जूनियर (अंडर-19) वर्गों के खिलाडिय़ों को ज्यादा मैच नहीं खेलने को मिलते थे। हम क्षेत्रीय प्रणाली के टूर्नामेंट लाकर इसमें सुधार करेंगे जिसमें वे 'इंट्रा जोन' और 'इंटर जोन' प्रतियोगितायें खेलेंगे।

वैश्विक संकट से भारत में विदेशी निवेश घटा

नईदिल्ली। रूस-यूक्रेन संघर्ष से उपजी उच्च महंगाई दर, मौद्रिक नीति में सख्ती और प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की स्थिति जैसी चुनौतियों के कारण भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की आवक घटी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर तमाम वजहें हैं, जिसके कारण एफडीआई प्रवाह में मामूली कमी आई है। कोविड-19 के दौरान हमने देखा कि सॉफ्टवेयर सेक्टर में बहुत ज्यादा एफडीआई आया है और आवक को मजबूती मिली। अमेरिका ने एक साल के अंदर अपनी ब्याज दर 0.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.75 प्रतिशत कर दी। ब्रिटेन, नीदरलैंड, सिंगापुर में भी पिछले एक साल के दौरान ब्याज दरों में बढ़ोतरी हुई है। वेंचर कैपिटल फंड भी कम हो गया है।'

यह बयान ऐसे समय में आया है, जब प्रत्यक्ष विदेशी इक्विटी निवेश में चालू वित्त वर्ष के शुरुआती 3 महीने में 15 प्रतिशत की कमी आई है। कुल एफडीआई में गैर निगमित निकायों की इक्विटी पूंजी, पुनर्निवेश कमाई व अन्य पूंजी आती है, यह 55 अरब डॉलर रह गई है और इसमें एक साल पहले की समान अवधि के 60.4 अरब डॉलर की तुलना में 8 प्रतिशत की गिरावट आई है।

पिछले वित्त वर्ष के दौरान एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 1 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसमें वित्त वर्ष 21 और वित्त वर्ष 20 में क्रमश: 19 प्रतिशत और 13 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी हुई थी।

अधिकारी के मुताबिक जहां तक 2022 कैलेंडर वर्ष का सवाल है, एफडीआई के प्रवाह में 4 प्रतिशत

की बढ़ोतरी हुई है।

अगर आगे की स्थिति देखें तो उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की एफडीआई नीति, दी जा रही सुविधाओं और आंकड़ों से पता चलता है कि भारत आने वाले महीनों में ज्यादा विदेशी निवेश आकर्षित कर सकेगा।

एमएफ के लिए छोटे शहरों से जुड़े प्रोत्साहन खत्म करेगा सेबी!

नईदिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड फंड कंपनियों को छोटे शहरों से परिसंपत्तियां जुटाने के लिए मिलने वाले अतिरिक्त प्रोत्साहन को खत्म कर सकता है।

म्युचुअल फंड उद्योग में इन छोटे केंद्रों को बी30 के नाम से भी जाना जाता है। अभी फंड कंपनियां बी30 केंद्रों से परिसंपत्तियां जुटाने के लिए कुल एक्सपेंस रेश्यो (परिसंपत्ति प्रबंधन के खर्च की दर) से 30 आधार अंक अधिक वसूल सकती हैं।

सूत्रों ने कहा कि नियामक बी30 प्रोत्साहन खत्म करने की योजना बना रहा है और नए निवेशकों को जोडऩे के लिए वितरकों को (चाहे वे किसी भी शहर में हों) एकबारगी शुल्क लेने की अनुमति दे सकता है। मगर यह एकबारगी शुल्क कुल एक्सपेंस रेश्यो का हिस्सा होगा। इससे फंड कंपनियों के पास वितरकों को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की गुंजाइश कम हो जाएगी।

बी-30 प्रोत्साहन इसलिए शुरू किया गया था ताकि बड़े शहरों के साथ छोटे शहरों में भी म्युचुअल फंड फैल सकें। मगर कहा जा रहा है कि वितरक अधिक आय अर्जित करने के लिए मौजूदा व्यवस्था का दुरुपयोग करते हैं। इसीलिए सेबी यह कदम उठा सकता है। इस प्रोत्साहन का भुगतान निवेश के पहले साल ही किया जाता है मगर कुछ वितरक हर साल निवेशक के पैसे एक फंड से दूसरे में भेज देते हैं ताकि उन्हें हर बार प्रोत्साहन राशि मिलती रहे।

सूत्रों ने कहा कि नियामक ने म्युचुअल फंडों द्वारा वसूले जाने वाले शुल्क और एक्सपेंस रेश्यो का पूरा अध्ययन किया है और इस मसले पर म्युचुअल फंड परामर्श समिति के साथ चर्चा की है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड इन इंडिया (एम्फी) तथा फंड कंपनियों से इस पर राय मांगी गई है।

कुल एक्सपेंस रेश्यो का मतलब संबंधित योजना के प्रबंधन में फंड कंपनी द्वारा किया गया खर्च है। नियामक ने कुल एक्सपेंस रेश्यो की अधिकतम सीमा तय कर दी है। सक्रिय इक्विटी फंड योजना के तहत प्रबंधनाधीन प्रबंधन का अधिकतम 2.25 फीसदी एक्सपेंस रेश्यो वसूला जा सकता है। डेट योजना में अधिकतम 2 फीसदी वसूलने की अनुमति है।

इस समय बी-30 केंद्रों से निवेशकों को जोडऩे के लिए फंड कंपनियां कुल एक्सपेंस रेश्यो से 30 आधार अंक ज्यादा वसूल सकती हैं। इसके अलावा म्युचुअल फंडों द्वारा प्रतिभूतियों को खरीदे और बेचे जाने पर भी कुछ खर्च होता है।

टॉप पहलवानों के अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने से खेल मंत्रालय नाराज

नईदिल्ली। खेल मंत्रालय देश के शीर्ष पहलवानों के भारतीय कुश्ती महासंघ और इसके अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के साथ चल रहे उनके गतिरोध के कारण अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने से नाराज है। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, रवि दहिया, दीपक पूनिया, अंशु मलिक और संगिता मोर सहित शीर्ष पहलवानों ने जगरेब और अलेक्सजांद्रिया में यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि एक जांच पैनल डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीडऩ के आरोपों की जांच कर रहा है।

बृज भूषण लंबित जांच के कारण अपने पद से अलग हो गये हैं। पहलवानों के इस कदम से सरकार नाराज है जो पहलवानों को तैयारियों और ट्रेनिंग के लिये 'टारगेट ओलंपिक्स पोडियम स्कीम' (टॉप्स) के अंतर्गत वित्तीय सहायता मुहैया कराती है।

मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, हमें यह पता नहीं चल रहा कि जब उनकी मांगें मान ली गयी हैं तो वे (टूर्नामेंट में) हिस्सा क्यों नहीं ले रहे। हमें समिति को जांच पूरी करने के लिये समय देने की जरूरत है। यह पहलवानों का फैसला है और हम किसी को भी बाध्य नहीं कर सकते लेकिन उन्हें टूर्नामेंट से हटना नहीं चाहिए। डब्ल्यूएफआई का रोजमर्रा का कामकाज महान मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम की अगुआई वाली छह सदस्यीय निगरानी समिति देख रही है।

शाहरुख खान की फिल्म जवान के लिए अल्लू अर्जुन से किया गया संपर्क

पठान के साथ 4 साल बाद जबरदस्त वापसी करने वाले शाहरुख इन दिनों वर्ष 2023 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार हो चुकी जवान को पूरा करने में लगे हुए हैं। इस फिल्म का निर्देशन एटली कुमार कर रहे हैं जो दक्षिण में थलापति विजय के साथ कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुके हैं। जवान का निर्माण स्वयं शाहरुख खान कर रहे हैं। अपनी फिल्म जवान की घोषणा शाहरुख खान ने धमाकेदार टीजर जारी करके की थी। उसके बाद उन्होंने उसका एक छोटा सा ट्रेलर भी जारी किया था। इन दिनों चेन्नई में

जवान को पूरा करने में लगे शाहरुख खान के बारे में यह कहा जा रहा है कि जवान में उनके साथ दक्षिण भारत के सुपर सितारे अल्लू अर्जुन भी विशेष भूमिका में नजर आएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार अल्लू अर्जुन को जवान में एक भूमिका की पेशकश की गई है। अगर चीजें योजना के अनुसार होती हैं, तो यह उनके बॉलीवुड डेब्यू को चिह्नित करेगा। जवान एक एक्शनर है, जिसका निर्देशन एटली कर रहे हैं।

अल्लू अर्जुन सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा के साथ एक अखिल भारतीय स्टार के रूप में उभरे। स्टाइलिश स्टार अब जाहिर तौर पर बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने की कगार पर है। कहा जा रहा है कि जवान में अल्लू को एक रोल ऑफर किया गया है। हालाँकि, यह एक पूर्ण भाग के बजाय एक कैमियो है। यह किसी भी तरह से उनके बॉलीवुड डेब्यू को चिह्नित करेगा।

दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे का नहीं बनना चाहिए रीमेक : काजोल

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की पत्नी और एक्ट्रेस काजोल इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनी हुई है। काजोल एक बार फिर अपनी फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को लेकर सुर्खियों में आ गई है। अभी हाल ही में फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे को लेकर कजोल को दोबारा बनाने पर अपनी राय रखी है। काजोल ने इंटरव्यू के दौरान कहा, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे और कभी खुशी कभी गम जैसी फिल्में दोबारा नहीं बननी चाहिए, क्योंकि

इन फिल्मों का एक जादू था, जो बस एक ही बार हो सकता था। अगर इन फिल्मों को दोबारा बनाया जाएगा, तो ये जादू ये जादू गायब हो जाएगा। इसके आगे काजोल ने कहा कि इस फिल्म के रीमेक से फैंस भी खुश नहीं होंगे।

आज का राशिफल

मेष : आज आपकी सामाजिक क्षेत्र में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। किसी कार्य के पूर्ण होने से मानसिक तनाव कम होगा। आप कोई नया व्यापार शुरू करने का मन बना सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल होंगे।

वृष : आज आपको रचनात्मक कार्यों का प्रतिफल प्राप्त होगा। व्यापार में उन्नति मिलने के योग हैं। कानूनी मामलों में सफलता मिल सकती है। पति-पत्नी के बीच बेहतर तालमेल बने रहेंगे। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन : आपकी आज अचानक धन लाभ मिलने की संभावना नजर आ रही है। सामाजिक दायरा बढ़ेगा। आपका दिन भागदौड़ भरा रहेगा। गुप्त शत्रुओं से सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि यह आपके कामकाज बिगाडऩे की कोशिश कर सकते हैं।

कर्क : आज आप अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे। जरूरतमंद लोगों की मदद करने का मौका मिल सकता है। नौकरी के क्षेत्र में बड़े अधिकारियों के साथ बेहतर तालमेल बने रहेंगे। मेहनत का फल मिलेगा। स्वास्थ्य लाभ होगा।

सिंह : आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। शादीशुदा जिंदगी में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है फिर भी जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम के आयोजन की चर्चा हो सकती है।

कन्या : आज आप किसी लाभदायक यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी के क्षेत्र में लाभ मिलने की संभावना है। निवेश में फायदा मिल सकता है। किस्मत आपका पूरा साथ देगी। घरेलू सुख साधनों में बढ़ोतरी होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला : आपका आज का दिन मिलाजुला नजर आ रहा है। बड़े अधिकारियों को प्रसन्न करना काफी कठिन हो सकता है। दोस्तों के साथ मिलकर आप कोई नया व्यापार शुरू करने का मन बना सकते हैं।

वृश्चिक : आपको आज धन से जुड़े हुए मामलों में काफी सतर्क रहना होगा। आप किसी को भी पैसा उधार मत दीजिए। आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं। पुराने मित्रों से मिलना-जुलना हो सकता है। व्यवहार कुशलता से समस्या का समाधान संभव है।

धनु : आज आप अपने प्रयासों से सफलता हासिल करेंगे। प्रभावशाली लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आपका मन प्रसन्न रहने वाला है। कार्यप्रणाली में सुधार आएगा।

मकर : आपका आज का दिन पहले के दिनों की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आपका मन धर्म-कर्म के कामों में अधिक लगेगा। सत्संग से लाभ मिल सकता है। व्यापार अच्छा चलेगा। आपका मन प्रसन्न रहने वाला है।

कुंभ : आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। वाहन और मशीनरी के प्रयोग में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आप अपनी कीमती चीजों को संभाल कर रखें। कोई भी जोखिम लेने से बचना होगा।

मीन : आज आपको प्रेम संबंधित मामलों में सफलता हासिल होगी। कानूनी बाधा दूर हो सकती है। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद करेंगे। कामकाज के प्रति आप लापरवाही मत कीजिए।

होली पर घर में ही बनाएं चटपटे दही वड़े

होली के त्योहार पर अगर आप मेहमानों के लिए कुछ खास बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए दही वड़े एक बढ़िया डिश साबित होगी। खाने में स्वादिष्ट इस व्यंजन को बनाना बेहद आसान है। तो जानते हैं इसकी आसान रेसिपी

सामग्री :

एक कप धुली उड़द
ढाई कप दही
दो चम्मच नमक
दो चम्मच जीरा पाउडर
दो चम्मच हरा धनिया
1/4 चम्मच कालीमिर्च
आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
एक चम्मच काला नमक
तलने के लिए तेल
गार्निशिंग के लिए चाट मसाला

विधि :

सबसे पहले उड़द दाल को 5 से 6 घंटे तक भिगोएं और फिर पीसकर पेस्ट बना लें।

अब दाल के इस पेस्ट को अच्छी तरह से फेंटें और फिर तेल गर्म करने रखें।

इसके बाद एक बर्तन में पानी लें और इसमें नमक डालकर अच्छे से मिलाएं।

तेल गर्म होने पर इस पेस्ट से वड़े बनाकर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें।

जब वड़े अच्छे से फ्राई हो जाए, तो इन्हें तेल से निकालकर नमक वाले पानी में डाल दें।

अब इन वड़ों को पानी से निकालकर निचोड़ लें और फिर कटोरी में रखें।

इसके बाद वड़े पर दही, जीरा, काली मिर्च, मीठी चटनी, स्वादानुसार नमक और चाट मसाला डालकर गार्निश कर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 353

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

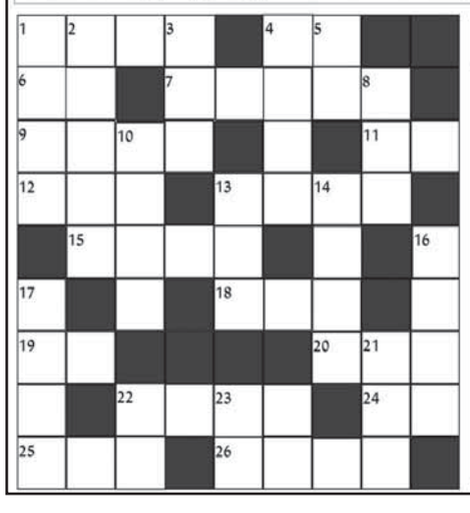

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 352 का हल

दि	क्र	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

सू-दोकू- 353

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.352 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7